VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
20 AUG 2024
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 2370)

Name of Candidate	JITENDRA KUMAWAT		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	45943301
Center	MN	Date	20/08/2024

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
3(c)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **HINDI & ENGLISH.**
   इसमें बारह प्रश्न हैं **हिन्दी और अंग्रेजी** में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

Is student recommended for One-to-One mentoring?	
Recommended	Strongly Recommended

VisionIAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VisionIAS

All the Best

For one-to-one mentoring session on this copy, call us at 7042691891 or send an email to appointment@visionias.in

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड A / SECTION A

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 150 से अधिक शब्दों में न दें:

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) क्या नैतिक विवेक हमेशा नैतिक निर्णयन में कानूनों, नियमों और विनियमों का पूरक होता है? उपयुक्त उदाहरणों के साथ अपने उत्तर की पुष्टि कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Does moral conscience always complement laws, rules, and regulations in ethical decision-making? Support your answer with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

नैतिक विवेक का तात्पर्य कल आंतरिक चेतना से है जो व्यक्ति को निर्णय लेते समय गलत या सही का मार्ग दिखलाता है।

जैसे - दस्तावेज न होने पर भी 80 वर्षीय बुजुर्ग को खाद्यान्न सहायता देना

नैतिक विवेक नैतिक निर्णयन में कानूनों, नियमों और विनियमों का पूरक

हाँ ① प्रत्येक स्थिति हेतु कानून, नियम, विनियम न तो निर्मित न वांछित

जैसे - कोविड-19 के समय प्रवासी मजदूरों की मदद करने के संबंध

② कानूनों, नियमों, विनियमों में मानवीय त्रुटि की संभावना

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ कानून, नियम, विनियम मार्ग प्रदर्शन करने में सहायक
जैसे - ट्रांसजेंडर अधिकार अधिनियम

④ इन्हीं की पृष्ठभूमि के आधार पर विवेक से काम लेना
जैसे - शरणार्थी के संबंध में

नहीं / पूरक नहीं

① नैतिक विवेक में त्रुटियां जैसे - रूढ़िवादिता
eg. एक रूढ़िवादी मनुष्य लैंगिक भेदभाव को समर्थन दे सकता है।

② ज्ञान की कमी - आवश्यक नहीं कि मनुष्य को प्रत्येक स्थिति का ज्ञान हो

③ सामाजिक अनुरूपता - नैतिक विवेक सामाजिक दबाव से प्रभावित होता है

कानून की अदालत से भी बड़ी है अंतरात्मा की अदालत, जो अन्य सभी अदालतों को प्रतिस्थापित करती है - महात्मा गांधी

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. (b) भारत जैसे देश में समाज के कमज़ोर वर्गों के प्रति करुणा का भाव अनिवार्य है और इससे समझौता नहीं किया जा सकता है। उपयुक्त उदाहरणों के साथ परीक्षण कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Compassion towards weaker sections of society is essential and non-negotiable in a country like India. Examine with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

करुणावान बनिये क्योंकि आपसे मिलने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपनी लड़ाई लड़ रहा है
- प्लेटो

करुणा का तात्पर्य - किसी पीड़ित व्यक्ति की मनोस्थिति को स्वयं के द्वारा महसूस करना तथा उस पीड़ा को दूर करने के लिये प्रयास करने से है।

जैसे - मदर टेरेसा द्वारा कोढ़ पीड़ितों की सहायता

कमजोर वर्गों के प्रति करुणा अनिवार्य

① कमजोर वर्गों की सुभेद्यता अधिक
जैसे - किसान आत्महत्या से आहत होकर नाना पाटेकर ने 1500 किसानों को 10000 रुपये की आर्थिक सहायता

② कमजोर वर्ग हाशिये पर स्थित
जैसे दंगे या आपदा के समय

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सर्वाधिक नुकसान कमजोर वर्गों को

उदा॰ महिलाएं दंगों की सबसे बड़ी शिकार

(3) कमजोर वर्गों की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर

6. भारत में 30% BPL - विकलांग परिवार है

(4) नेतृत्व का अभाव - कमजोर वर्ग स्वयं अपना नेतृत्व करने में असमर्थ जैसे - मानसिक रोगी

(5) लोककल्याणकारी राज्य के उद्देश्य

∟ राज्य के नीति - निर्देशक तत्वों की पूर्ति

(6) मानवीयता के संरक्षण हेतु

∟ करुणा का पतन मानवता के पतन का कारण

करुणा धर्म नामक वृक्ष की जड़ है

∟ भगवद् गीता

इसलिये प्रत्येक व्यक्ति को करुणा का पालन करना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) भारतीय समाज में भ्रष्टाचार मौजूद है और निरंतर फल-फूल रहा है क्योंकि इसे सामाजिक रूप से स्वीकार किया जाता है और महत्वकांक्षा को प्रेरित करने वाला माना जाता है। क्या आप इस दृष्टिकोण से सहमत हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Corruption exists and thrives in Indian society because it is socially accepted and even seen as aspirational. Do you agree with this view? (Answer in 150 words) 10

अपने पद या स्थिति का लोककल्याण के बजाय निजी हितों के लिए प्रयोग करना ही भ्रष्टाचार है

- चाणक्य

भ्रष्टाचार की सामाजिक स्वीकार्यता

① समाज में आर्थिक प्रतिष्ठा / समृद्धि सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार बन चुका है इसलिए भ्रष्टाचार की स्वीकृति
उदा. उच्च वर्ग के अधिकारी

② काम / कार्य सिद्धी हेतु
अपना काम त्वरित रूप से करवाने हेतु रिश्वत देने की संस्कृति की सामाजिक स्वीकार्यता
जैसे - BPL राशन कार्ड बनवाने हेतु रिश्वत

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ रोजगार प्राप्ति हेतु जैसे -
मनरेगा में 10% वेतन रिश्वत के तौर पर सामाजिक रूप से स्वीकार्य

④ भ्रष्टाचार के खिलाफ सामाजिक आवाज न उठाना - नुकसान के भय से

भ्रष्टाचार के अन्य कारण

① आर्थिक लाभ हेतु
② जल्द पैसा कमाने या अमीर बनने की चाहत
③ शासन की असमानता
④ कानूनों का प्रभावी न होना
⑤ अत्यधिक संगठित भ्रष्टाचार होना - Layered

हालांकि सामाजिक स्वीकार्यता भ्रष्टाचार का एक प्रमुख कारण है लेकिन इसके अन्य कारण भी है इसलिये एक राष्ट्र को विकसित व स्वच्छ मनों वाला बनाने हेतु भ्रष्टाचार पर नियंत्रण आवश्यक है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) सामाजिक उत्तरदायित्व को लोकतांत्रिक शासन को बढ़ावा देने और सेवा वितरण में सुधार करने के साधन के रूप में तेजी से मान्यता मिल रही है। विवेचना कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Social accountability is increasingly recognized as a means of enhancing democratic governance and improving service delivery. Discuss. (Answer in 150 words) 10

सामाजिक उत्तरदायित्व का तात्पर्य किसी व्यक्ति, संगठन, निगम या सरकार द्वारा लाभ कमाने के बदले सामाजिक कर्तव्यों की पूर्ति करने से है

जैसे - CSR प्रणाली

लोकतांत्रिक शासन को बढ़ावा देने में स्वीकृति

- ① समाज के प्रति उत्तरदायित्व पूर्ति
  जैसे - शिक्षा, स्वास्थ्य आदि
  उदा. महिंद्रा समूह का नन्ही कली प्रोजेक्ट
- ② शासन में जनसहभागिता बढ़ना
  जैसे - सोशल ऑडिट के माध्यम से
- ③ विकेंद्रीकृत निर्णय निर्माण
  जैसे - 73वां, 74वां संविधान संशोधन

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ लोककल्याणकारी राज्य की अवधारणा पूर्ण

⑤ कानून का शासन स्थापित होना

सेवा वितरण के साधन के रूप में

① कंपनियों द्वारा सामाजिक दायित्व समझना
जैसे हिंदुस्तान पेट्रोल का बूंद प्रोग्राम

② शिक्षा व स्वास्थ्य संबंधी सेवा वितरण
जैसे ITC का पाठशाला व सहेली प्रोग्राम
टाटा ग्रुप द्वारा कैंसर हॉस्पिटल

③ पर्यावरणीय सुविधाओं का निर्माण
जैसे - शहरी क्षेत्रों में वन निर्माण

इस प्रकार सामाजिक उत्तरदायित्व वर्तमान समय में सेवा वितरण व लोकतांत्रिक शासन के रूप में स्वीकृत हो रहा है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. वर्तमान संदर्भ में निम्नलिखित उद्धरण आपको क्या संदेश देते हैं?

What does the following quotation convey to you in the present context.

(a) "मानवीय आवाज़ कभी भी उस दूरी तक नहीं पहुंच सकती जो अंतरात्मा की पवित्र आवाज द्वारा तय की जाती है।" - महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"The human voice can never reach the distance that is covered by the still small voice of conscience." - Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

महात्मा गांधी अंतरात्मा को सबसे अधिक महत्व देते थे। उनका मानना था कि अंतरात्मा ही व्यक्ति को नैतिक राह दिखाती है तथा इसकी दुविधा का शमन करती है।

अंतरात्मा द्वारा तय दूरी

① गांधी जी का तात्पर्य → कभी भी तुम्हें कोई नैतिक निर्णय लेने में कठिनाई हो तो तुम सोचना कि अंतिम पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को इससे क्या लाभ होगा, देखना तुम्हारी दुविधा दूर हो जाएगी।

② न्यासधारिता का सिद्धांत → न्यासी स्वयं को संपत्ति का मालिक समझने के

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बजाय संपत्ति का संरक्षक समझे, यह सिद्धांत अंतरात्मा पर ही आधारित है।

(3) पर्यावरणीय नैतिकता – प्रकृति के पास मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने की क्षमता है लेकिन उसके लालच को नहीं। मनुष्य अपनी अंतरात्मा की आवाज से ही यह चुन सकता है।

(4) साधन- साध्य की पवित्रता – जहाँ एक ओर कुछ दार्शनिक साध्यों की पवित्रता तथा दूसरी ओर कुछ दार्शनिक साधनों की पवित्रता पर ध्यान देते वहीं गांधीजी अंतरात्मा के आधार पर साध्य - साधन की पवित्रता पर जोर देते।

इसी प्रकार मानव कल्याण, नैतिक राजव्यवस्था अर्थात सुराज, नैतिक अर्थव्यवस्था इत्यादि में अंतरात्मा की आवाज ही महत्वपूर्ण है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (b) "धैर्य विचारों का मार्शल, इच्छाशक्ति का कवच और तर्क का किला है।" - फ्रांसिस बेकन। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Fortitude is the marshal of thought, the armor of the will, and the fort of reason." – Francis Bacon. (Answer in 150 words) 10

फ्रांसिस बेकन का यह कथन विभिन्न परिस्थितियों में धैर्य (fortitude) का महत्व दर्शाता है और बताता है कि व्यक्ति को प्रत्येक स्थिति में धैर्य बनाए रखना चाहिए।

धैर्य विचारों का मार्शल

(1) एक धैर्यशील व्यक्ति अपने विचारों की स्पष्टता पर टिका रहता है

(2) वह अन्य व्यक्तियों के विचारों को धैर्य पूर्वक सुनता है

(3) यदि अन्य व्यक्ति के विचार उसके विचारों से अधिक उपयोगी है तो वह उन्हे स्वीकार कर लेता है अन्यथा उन्हे त्याग देगा

उ॰ महात्मा गांधी ने अहिंसा का मूल्य बोध धैर्य से लिया

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

धैर्य इच्छा शक्ति का कवच

(1) धैर्य हमारी इच्छा शक्ति का संचालन करता है तथा विपरीत परिस्थितियों में इसकी रक्षा करता है

जैसे - दिल्ली में जीव हिंसा रोकने की इच्छा शक्ति के चलते जैन समाज के लोगों ने 100 से अधिक जीवों को बली से बचाया

धैर्य तर्क का किला

(1) धैर्यवान मनुष्य अपने तर्कों का स्पष्ट विवरण करता है जैसे - महात्मा बुद्ध

(2) धैर्य व्यक्ति को अपने तर्कों पर बने रहने हेतु साहस देता है

जैसे - स्वामी विवेकानंद का शिकागो में भाषण।

इस प्रकार धैर्य हमारी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है जिसका हमें निरंतर अभ्यास करना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (c) "चरित्र बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें हैं और बार-बार दोहराई जाने वाली आदतें ही चरित्र को सुधार सकती हैं।" - स्वामी विवेकानंद (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"Character is repeated habits, and repeated habits alone can reform character." - Swami Vivekananda (Answer in 150 words) 10

स्वामी विवेकानंद चरित्र को सभी मूल्यों से अधिक मूल्यवान मानते थे। उन्होंने न केवल नैतिक चरित्र का पालन किया बल्कि अन्य लोगों को अच्छे चरित्र हेतु प्रेरित किया

चरित्र बार-बार दोहराई जाने वाली आदत

(1) यदि कोई व्यक्ति नैतिक मूल्यों तथा अच्छी आदतों का अनुसरण करता है तो वह व्यक्ति का चरित्र बन जाती है. जैसे

a) महात्मा बुद्ध के लिए अहिंसा
b) एक कसाई के लिये जीव हत्या

(2) यदि इन्हें संचालित न किया जाये तो ये नैतिक पतन की ओर अग्रसर होती है जैसे - विसंस्कृतिकरण

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बार-बार दुहराने वाली आदतों द्वारा चरित्र सुधारना

① जैसे घर में बच्चों का नैतिक सामाजीकरण
यथा. बड़ों का सम्मान व बैर दूर

② दंड व पारितोषिक की नीति
- अच्छे कार्य पर प्रशंसा
- बुरे कार्य पर निंदा

चरित्र —(में बदलाव से)→ आदतें —(में बदलाव से)→ चरित्र

③ पर्यावरणीय संरक्षण जैसे मिशन लाइफ

यदि धन गया तो कुछ नहीं गया, यदि स्वास्थ्य गया तो थोड़ा बहुत गया, यदि चरित्र गया तो व्यक्ति का सर्वस्व गया

- स्वामी विवेकानंद

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) संगठन कर्मचारियों पर पड़ने वाले अनुचित दबाव को रोकते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को किस प्रकार संतुलित कर सकते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

How can organizations balance healthy competition while preventing undue pressure on employees? (Answer in 150 words) 10

कार्यसंस्कृति का तात्पर्य एक संगठन की कार्यनीति से है, उसके मूल्यों, प्रथाओं, मान्यताओं तथा कार्य पद्धति से है।

एक संगठन द्वारा अनुचित दबाव व स्वस्थ प्रतिस्पर्धा हेतु उपाय

अनुचित दबाव रोकने हेतु

① आचरण संहिता
जैसे - सिविल सेवा आचरण संहिता 1968.

② स्पष्ट नीतियां
जैसे - टाटा ग्रुप की HR नीतियां

③ मनुष्यों को मनुष्य समझना न कि मशीनी उपकरण
जैसे - महिंद्रा ग्रुप

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

④ अवकाश की व्यवस्था
जैसे मैटरनल लीव

⑤ लचीले कार्य घंटे
उदा. गूगल की कार्य पद्धति

⑥ लचीली कार्य पद्धति
जैसे - work from Home

स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा हेतु

① कर्मचारियों को उनके काम का क्रेडिट देना

② रेड व पुरस्कार की नीति

③ सबको समान संसाधन उपलब्ध करवाना

④ निष्पादन आधारित प्रोत्साहन

इस प्रकार एक संगठन अपने कर्मचारियों के लगातार हो रहे अनुचित दबाव को कम कर सकता है तथा स्वास्थ्य प्रतिस्पर्धा उत्पन्न कर सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (b) प्रबंध का अर्थ कार्यों को सही करना है; नेतृत्व का अर्थ सही कार्य करना है। विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Management is doing things right; leadership is doing the right things. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

प्रबंध का तात्पर्य है एक संगठन में अभिप्रेरणा बनाए रखना तथा सभी कार्यों को एक सही तरीके से समयबद्ध तरीके से करना

उदा. वेबर का नौकरशाही मॉडल

नेतृत्व का अर्थ है अपने अधीनस्थों को आदेश देना तथा उनसे कार्य करवाना जैसे - राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी

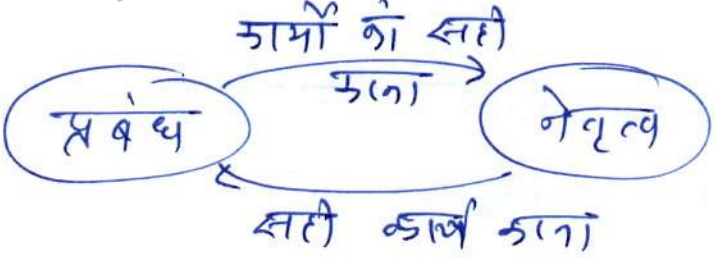

प्रबंध द्वारा कार्यों को सही करना

- कुशल नीतियाँ बनाना
  जैसे - HR नीति
  - आचरण नीति

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- कर्मचारियों में लगाव बढ़ाना
- गलत कार्यों की जिम्मेदारी लेना तथा इन्हें दुरुस्त करना

नेतृत्व : सही कार्य करना

- प्रबंधन द्वारा दिये आदेशों को पालना
- यदि आदेशों में त्रुटि है तो उन्हें सुधारना
- नैतिक रूप से सही कार्य करना
- गलत कार्यों का विरोध करना

इस प्रकार प्रबंधन का अर्थ कार्यों को सही करना तथा नेतृत्व का अर्थ सही कार्य करने से है

जैसे इंजेली ओलिवाल रूकेट) द्वारा प्रस्तावित कंपनी के कार्य

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) अभिवृत्ति का निर्माण समाजीकरण की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण पहलू है। व्यक्तियों में अभिवृत्ति के विकास में योगदान देने वाले विभिन्न कारकों पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Formation of attitudes is a crucial aspect of the socialization process. Discuss the various factors that contribute to the development of attitudes in individuals. (Answer in 150 words) 10

अभिवृत्ति का तात्पर्य किसी विषय, वस्तु, व्यक्ति इत्यादि के प्रति सकारात्मक या नकारात्मक मनोवृत्ति के होने से है। जैसे - जैन समाज हिंसा के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति

अ

अभिवृत्ति निर्माण/समाजीकरण द्वारा

- समाजीकरण द्वारा - दंड व पुरस्कार द्वारा
  - सामाजिक आलोचना
  - अप्रत्यक्ष निंदा द्वारा
- सामाजिक अनुरूपता - समाज के वृहद समूह के समान अपनी अभिव्यक्ति का निर्माण
  जैसे - सत्यनिष्ठा के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति
- सामाजिक अनुपालन - सामाजिक मूल्यों का अनुपालन जैसे विवाह

VisionIAS

अभिवृत्ति निर्माण के विभिन्न कारक

- **परिवार** → परिवार बच्चे की पहली पाठशाला
  - ऑब्जर्वेशनल लर्निंग जैसे बड़ों के पैर छूना
  - क्लासिकल कंडीशनिंग
- **विद्यालय** → गलत सूचनाओं का खंडन करे
  - समूह बाध्यता जैसे अमेरिका के विद्यालयों में काले-गोरे बच्चे साथ में अध्ययन
- **समाज**
- **राजनीतिक व्यवस्था**

सामाजिक मूल्य — अनुपालन — **अभिवृत्ति निर्माण**

- सामाजिक मूल्य: बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- अभिवृत्ति निर्माण: कन्या भ्रूण हत्या कमजोर

स्वतंत्र व्यक्ति (Self Made Man) जैसा कुछ नहीं होता हम अनेक कारणों से मिलकर बनते है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (b) किसी भी कार्यस्थल पर संघर्ष अपरिहार्य होते हैं और प्रशासनिक भूमिकाएं भी इसका अपवाद नहीं हैं। इसके आलोक में, संघर्ष प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Conflicts are inevitable in any workplace, and administrative roles are no exception. In light of this, discuss the role of emotional intelligence in conflict management. (Answer in 150 words) 10

अपनी मनोभावनाओं को समझना तथा दूसरे के मनोभावों को समझते हुए इनका इस प्रकार उपयोग करना कि वांछित उद्देश्य की प्राप्ति की जा सके, भावनात्मक बुद्धिमत्ता कहलाती है

पीटर सेलोवी एंड जॉन मेजर

Eg. आराधना केस में IPS अजयपाल लांबा का

संघर्ष प्रबंधन में भावनात्मक बुद्धिमत्ता

- आत्म जागरूकता → अपनी भावनाओं को समझना जैसे - पिछली बार संघर्ष के क्या नतीजे क्या थे।
- आत्म अभिप्रेरणा → स्वयं को कठिन स्थितियों में प्रेरित करना

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- सामाजिक जागरूकता – संघर्ष के समय समाज की भावनाएं क्या होती है
  जैसे – दंगो के समय
- सामाजिक कौशल – भावनाओं का संचालन इस प्रकार करना कि सामाजिक लाभ की पूर्ति हो सके जैसे –
  नीति प्रबंधन में सहायता

प्रशासनिक संबंधों में भावनात्मक बुद्धिमता

- व्यक्तियों के आवेशों व मनोभावों को समझना
- व्यक्तियों के साथ सामाजिक कौशल के अनुरूप व्यवहार करना

व्यक्ति की सफलता में 80% भाग उसकी भावनात्मक बुद्धिमता का होता है केवल 20% ही उसका संज्ञानात्मक कौशल काम आता है

डेनियल गोलमैन

VisionIAS

6. (a) चर्चा कीजिए कि अभिवृत्ति विश्व के साथ हमारी धारणाओं और अंतःक्रियाओं को आकार देने में किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how attitude plays a crucial role in shaping our perceptions and interactions with the world. (Answer in 150 words) 10

अभिवृति एक छोटी-चीज है जो बड़े बदलाव लाती है -

~~डेनियल~~ ली. एम. जुई

अभिवृति विश्व के साथ हमारी धारणाओं और अंत: क्रियाओं को आकार देने में सहायक

- आवश्यकता पूर्ति → जिन अभिवृतियों से आवश्यकता पूर्ति वे सकारात्मक जैसे- सोशल मीडिया से भावनात्मक संबंध बनना
- Ego- Defence का कार्य

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (b) हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि जेनरेशन Z पिछली पीढ़ियों की तुलना में एकाकीपन के उच्च स्तर का अनुभव कर रही है। इस प्रवृत्ति के संभावित कारण क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Recent studies indicate that Generation Z is experiencing higher levels of loneliness than the previous generations. What are the possible reasons for this trend? (Answer in 150 words) 10

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

खंड B / SECTION B

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उनके उपरांत वाले प्रश्नों का उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

7. नीरज ने हाल ही में कॉलेज से स्नातक किया है और वह एक बड़ी आईटी कंपनी के वित्त एवं विश्लेषण विभाग में कार्य करता है। हाल ही में, नीरज को बिक्री के रिकॉर्ड में एक चिंताजनक विसंगति का पता चला, जिसने सत्यतापूर्ण रिपोर्टिंग हेतु कंपनी की प्रतिबद्धता के बारे में निवेशकों के लिए चिंताएं उत्पन्न कर दीं।

नीरज की कंपनी की विशेषता संवृद्धि को बढ़ाने, बिक्री में तेज़ी लाने और अधिक लाभ कमाने के इच्छुक अन्य व्यवसायों को सॉफ़्टवेयर सेवाएं प्रदान करना है। किसी उत्पाद की लागत आवश्यक सेवाओं के प्रकार पर निर्भर करती है। एडवांस पैकेज महंगे होते हैं और इनकी अधिक बिक्री से कंपनी के लिए मजबूत संवृद्धि का संकेत प्राप्त होगा।

हाल ही में, नीरज को एक नया प्रोजेक्ट सौंपा गया जिसमें उत्पादों को खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या और एडवांस बनाम बेसिक पैकेजों पर खर्च की गई राशि को दर्शाने वाला एक विज़ुअल विकसित करना था। हालांकि, प्रोजेक्ट के लिए किए गए शोध में, उसे बिक्री की रिपोर्टिंग का एक ऐसा पैटर्न मिला जिसने उसे विचलित कर दिया।

नीरज ने देखा कि यदि किसी ग्राहक ने 50 लाख रुपये के "एडवांस" उत्पाद और 50 लाख रुपये के "बेसिक" उत्पाद खरीदे हैं, तो 1 करोड़ रुपये की समग्र बिक्री को "एडवांस" उत्पादों की बिक्री के रूप में वर्गीकृत किया गया था। उसे इस तरह के कई उदाहरण मिले तथा गलत तरीके से दर्शाई गई राशि करोड़ों रुपये में थी। एक कर्मचारी के तौर पर, वह इस बात से परेशान है कि कंपनी की बिक्री को वास्तविकता से अधिक मज़बूत दर्शाने से निवेशकों को भ्रामक जानकारी प्राप्त हो सकती है।

नीरज को लगता है कि सही कार्य यही होगा कि वह अपनी बात कहे और कंपनी के बिक्री संख्या को अभिलेखित करने के तरीके को ठीक करने का प्रयास करे। वह इस बात से बहुत परेशान है कि यह बेईमानी है, और उसकी व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा और नैतिक मूल्यों के विरुद्ध है।

हालांकि, नीरज कंपनी में नया कर्मचारी है और कोई बड़ी समस्या नहीं खड़ी करना चाहता है। वह यह भी सोच रहा है कि क्या बिक्री रिकॉर्ड करने के तरीके के लिए कोई उचित स्पष्टीकरण हो सकता है। जब नीरज ने अपने वरिष्ठ से सलाह ली, तो उसे बताया गया कि यह कॉर्पोरेट संगठनों में आम तौर पर इस्तेमाल की जाने वाली "रचनात्मक लेखांकन (क्रिएटिव अकाउंटिंग)" प्रथा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि बिक्री की कुल राशि में हेराफेरी नहीं की गई है।

इसके अलावा, यह एक तनावपूर्ण समय है, जिसमें कई तकनीकी छंटनी हो रही हैं और नीरज की स्वयं की कंपनी ने छंटनी किए जाने की घोषणा की है। एक नए कर्मचारी के रूप में, वह जानता है कि वह नौकरी से निकाले जाने वाले पहले कर्मचारियों में से एक हो सकता है। इसलिए, वह अभी अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठाना चाहता क्योंकि उसे किराए जैसे अन्य खर्चों के अलावा छात्र ऋण भी चुकाना है।

(a) इस प्रकरण में नीरज के समक्ष कौन-सी नैतिक दुविधाएं हैं?

(b) कार्य संस्कृति किस प्रकार कर्मचारियों द्वारा संभावित गलत कार्यों की रिपोर्ट करने की इच्छा को प्रभावित करती है?

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की क्या भूमिका है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Neeraj is a recent college graduate who works in the finance and analytics department of a large IT company. Recently, Neeraj discovered an alarming discrepancy in the recording of sales, which raised concerns about the company's commitment to truthful reporting to investors.

Neeraj's company specializes in providing software services to other businesses that want to drive their business growth, accelerate sales, and earn more profits. The cost of a product depends on the type of services required. Advanced packages are costlier, and selling more will indicate stronger growth for the company.

Neeraj was recently tasked with a new project to develop a visual showing the number of customers who had purchased products, and the amount spent on advanced vs. basic packages. But, in his research for the project, he came across a pattern of reporting sales information that disturbed him.

Neeraj saw that if a customer had purchased Rs. 50 Lakh worth of "advanced" products and Rs. 50 lakh worth of "basic" products, the entire Rs. 1 Crore worth of sales were classified as sale of "advanced" products. He discovered multiple instances of this kind and the misrepresentation amounted to crores of rupees. As an employee, he grapples with the unsettling realization that investors may be receiving misleading information to make the company's sales look stronger than they in fact are.

Neeraj feels that the right thing to do would be to speak up and try to fix the way the company reports its sales numbers. He is deeply troubled by what appears to be dishonesty, as it conflicts with his personal integrity and moral values.

But, Neeraj is new to the company and does not want to create any major problems. He also wonders if there is some good explanation for the way that the sales are recorded. When Neeraj consulted his senior, he was told that this is a "creative accounting" practice common in corporate organizations. He also indicated that the total amount of sales has not been fudged.

Moreover, it is a stressful time, in which many tech lay-offs are taking place and Neeraj's own company has announced that there would be layoffs. As a new employee, he knows that he may be among the first employees considered for firing. Hence, he does not want to do anything to risk losing his job right now because he has student loan to pay off apart from other expenses like rent.

(a) What are the ethical dilemmas faced by Neeraj in this case?

(b) How does the work culture influence employees' willingness to report potential wrongdoing?

(c) What role does leadership play in fostering an ethical work culture? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस अध्ययन एक युवा स्नातक की मानसिक दशा को व्यक्त करती है जहाँ वह इसकी कंपनी में एक तरफ आंकड़ों का हेरफेर जैसी अनैतिक कार्यसंस्कृति का उद्घाटन करना चाहता है तो दूसरी ओर उसे स्वयं के निकाले जाने का भय है।

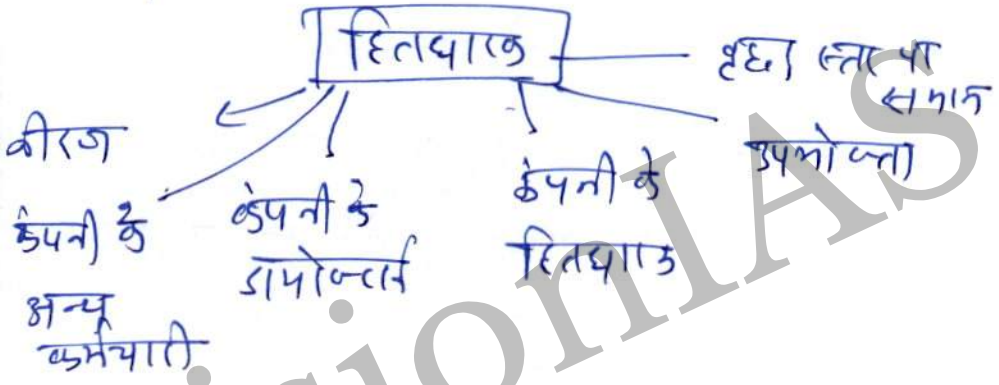

(b) नीरज के समक्ष नैतिक दुविधायें

(1) व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित

└ स्वयं की नौकरी बचाना या सर्वसामान्य सामान्य को कंपनी की अनैतिक ~~हित~~ प्रथाओं का उजागर करना

(2) पेशेवर नैतिकता बनाम सार्वलौकिक नैतिकता

└ पेशेवर नैतिकता के अनुसार उसे डायरेक्टर की बात माननी चाहिए लेकिन सार्वलौकिक नैतिकता के आधार

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर उसे सत्य उजागर करना चाहिए।

③ तत्कालिक लाभ बनाम दीर्घकालिक हानि

└ यदि ऐसे प्रयासों को सराहना मिली तो तात्कालिक लाभ होगा लेकिन दीर्घकाल में कंपनी व समाज को नुकसान होगा।

④ आँकड़ों की हेर फेर से धोखाधड़ी ^ अर्थात् कार्पोरेट बनाम वास्तविकता ~~कोई~~ में कोई हानि न होना

→ जहाँ एक तरफ आँकड़ो में हेर-फेर से उपभोक्ता को अपारदर्शिता में रखा जा रहा है वहीं उसमें वास्तविकता में कोई हानि नहीं हो रही है।

(B) कार्य संस्कृति द्वारा कंपनी के गलत कार्यों की रिपोर्टिंग में कर्मचारी इच्छाशक्ति पर प्रभाव

सकारात्मक कार्यसंस्कृति

└ यदि कार्यसंस्कृति सकारात्मक है तो वह कर्मचारियों को गलत कार्यों के रिपोर्टिंग हेतु प्रेरित करेगी

└ यह कर्मचारियों को रिपोर्टिंग हेतु

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचायेगी

↳ यह उच्च आदर्शों जैसे- सत्यनिष्ठा, वस्तुनिष्ठता, आदि पर कर्मचारी के कार्यों का मूल्यांकन करेगी

नकारात्मक कार्य संस्कृति

- (1) यह कर्मचारियों को गलत कार्यों की रिपोर्टिंग से रोकती है
- (2) यह कर्मचारियों को मोहिक हानि का कारण बन सकती है।
- (3) कर्मचारियों में भय पैदा करती है
- (4) यह कर्मचारियों को अनैतिक कार्यों हेतु प्रेरित करती है जैसे इनसाइडर ट्रेडिंग

(c) **नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने में नेतृत्व की भूमिका**

- (1) यह आचरण संहिता तथा नैतिक संहिता का स्वयं अनुसरण करता है तथा दूसरों को प्रेरित करता है

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② यह कंपनी में नैतिक मूल्यों को लागू करता है जैसे-
वस्तुनिष्ठता के आधार पर भर्ति प्रणाली का संरक्षण

③ नेता/नेतृत्व यदि नैतिक है तो कर्मचारियों को मनुष्य समझेगा न कि मशीनी कलपुर्जे

④ कर्मचारियों के साथ मानवीय संबंध स्थापित करेगा

⑤ नेतृत्व - दंड एवं पुरस्कार की नीति का अनुसरण करता है इसलिए बुरे कार्यों हेतु दंड तथा अच्छे कार्यों पर प्रशंसा

⑥ यह कार्य निष्पादन के आधार पर प्रोन्नति को प्रेरित करता है।

एक नैतिक कार्यसंस्कृति न केवल कंपनी हित बल्कि सामाजिक, आर्थिक व पर्यावरणीय हितों को भी पूर्ण करता है इसलिए कंपनी में नैतिक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना चाहिए

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. आप एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (PSU) के निदेशक हैं, जिसकी विशेषता देश के लिए महत्वपूर्ण रक्षा उत्पादों का निर्माण करना है और इन उत्पादों को विश्व भर में निर्यात करना है। आपका उपक्रम अपनी विशेषज्ञता और दक्षता के लिए प्रसिद्ध है, क्योंकि इसे निरंतर समय पर महत्वपूर्ण उत्पाद वितरित करने के लिए जाना जाता है।

हाल ही में, आपके उपक्रम को एक उच्च प्राथमिकता वाली रक्षा परियोजना के भाग के रूप में विशिष्ट उत्पादों के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण ऑर्डर प्राप्त हुआ है, जिसकी समय सीमा बहुत कम है। हालांकि, आपको एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कच्चे माल की बढ़ती लागत और बजट की कमी के कारण, वर्ष के लिए आवंटित उपक्रम की धनराशि लगभग समाप्त हो गई है। वहीं, तेजी से निकट आ रही समय सीमा पर इस महत्वपूर्ण रक्षा परियोजना को पूरा करने के लिए अतिरिक्त जनशक्ति को काम पर रखना एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है, लेकिन कुछ महीनों बाद किए जाने वाले अगले बजटीय आवंटन तक ऐसा संभव नहीं है। इस बीच, आपके मौजूदा कर्मचारी, जो पहले से ही सप्ताह में छह दिन 10-11 घंटे की कठिन शिफ्ट में कार्य कर रहे हैं, स्पष्ट रूप से हतोत्साहित हैं और उनमें थकान के लक्षण दिख रहे हैं।

आपने इस मुद्दे को वरिष्ठ प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत किया, जिसमें अस्थिर कार्य शेड्यूल और संभावित बर्नआउट(थकान) संबंधी जोखिमों को रेखांकित किया गया था। प्रबंधन ने स्थिति को स्वीकार किया, लेकिन वित्तीय घाटे से विवश होकर, आपसे आंतरिक समाधान खोजने का आग्रह किया। यह सुझाव कार्यभार को और अधिक वितरित करने का था, जिससे मौजूदा कर्मचारियों के लिए अधिक ओवरटाइम का प्रावधान किया जा सके।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उपर्युक्त मुद्दे का समाधान करने के लिए आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) बर्न आउट (थकान) एक महत्वपूर्ण कारक है जिसके परिणामस्वरूप कर्मचारियों का मनोबल गिरता है। इस संबंध में निजी कंपनियों और सरकार को क्या कदम उठाने चाहिए? (उत्तर 250 शब्दों में दें)

You are the Director of a Public Sector Unit (PSU) that specializes in the manufacturing of critical defense products for the country and exports it all over the world. Your unit is renowned for its expertise and efficiency, as it consistently delivers vital products on time.

Your unit has recently received a crucial order to manufacture specific products as part of a high-priority defense project with a tight deadline. However, you face a daunting challenge. With rising raw material costs and budget constraints, the unit has almost exhausted its funds for the year. Hiring additional manpower, a crucial need to meet the fast-approaching deadline for a critical defense project, is out of the question until the next budgetary allocation which is going to happen in months. Meanwhile, your existing workforce, already putting in grueling 10-11 hour shifts, six days a week, is visibly demotivated and showing signs of fatigue.

You presented the issue to the senior management, highlighting the unsustainable work schedule and potential burnout risks. The management acknowledged the situation but, constrained by the funding deficit, urged you to find internal solutions. The suggestion was to further distribute the workload, thereby implying more overtime for the existing employees.

(a) Highlight the ethical issues involved in the above case.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Evaluate the options available to you. What course of action you will take to address the above issue?

(c) Burn out is a critical factor resulting in demotivation of employees. What steps should the private companies and government take in this regard? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस अध्ययन वर्क लाईफ बैलेंस, कर्मचारी बर्नआउट, वित्त की कमी तथा समय बद्ध रूप से प्रोजेक्ट पूरा करने से संबंधित है।

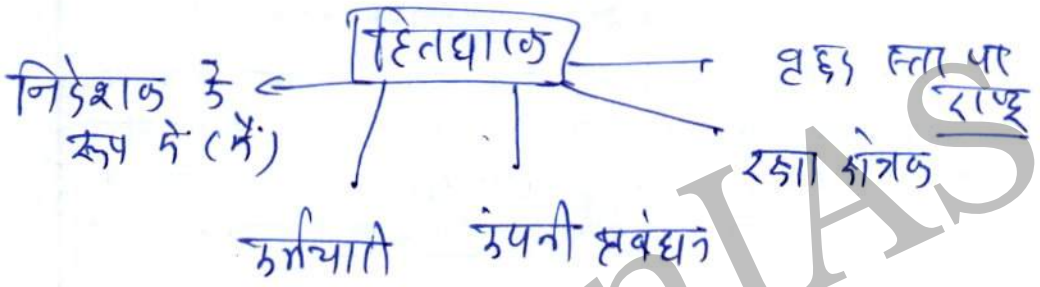

(a) नैतिक मुद्दे

(1) मानवाधिकार हनन

↳ कंपनी के कर्मचारियों से क्षमता से अधिक काम करवाने के कारण

(2) वित्तीय बोझ का बढ़ना तथा अन्य आर्थिक स्रोत का न होना

↳ कंपनी के वित्तीय स्रोत लगभग समाप्ति पर है।

(3) राष्ट्र सुरक्षा का मामला

↳ चूंकि प्रोजेक्ट राष्ट्रीय सुरक्षा से

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

संबंधित है

(4) कर्मचारियों में बर्नआउट के कारण विद्रोह का खतरा होना जो अर्थ मुश्किले बढ़ा सकता है।

(5) समयबद्ध रूप से वचन निभाना
- चूंकि लोगेज्ड की तय समय सीमा नजदीक आ रही है।

(B) (a) उपलब्ध विकल्प

[विकल्प-1] - यथास्थिति बनाये रखे

पक्ष	विपक्ष
- कार्य समय पर पूरा	- कर्मचारी अधिकारों का हनन
- आर्डर पूरा होने से मौद्रिक लाभ होगा	→ कर्मचारी विद्रोह कर सकते है।
→ कंपनी प्रतिष्ठा में वृद्धि।	- मानवीय मूल्यों की कमी जैसे करुणा

[विकल्प-2] - कर्मचारियों से वार्ता करे

पक्ष	विपक्ष
(1) कर्मचारियों के प्रति नैतिक जिम्मेदारी पूरी	(1) कर्मचारीयों द्वारा विद्रोह की आशंका

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- कर्मचारी ओवर टाईम हेतु मना कर सकते है - समय पर कार्य पूरा होने की संभावना	हो सकता है कर्मचारी अत्यधिक पारिश्रमिक की मांग करें

विकल्प 3 → वित्त की व्यवस्था करना, नए कर्मचारियों को भर्ती करना तथा वर्तमान कर्मचारियों से ओवर टाईम हेतु संवाद करना

पक्ष	विपक्ष
(1) समयबद्ध कार्य पूरा होना	1) वित्तीय बोझ बढ़ेगा
(2) कंपनी प्रतिष्ठा बनी रहना	2) कर्मचारी ओवर टाइम हेतु मना कर सकते है
(3) कर्मचारी अधिकारों की रक्षा	
(4) लोककल्याणकारी मार्ग	

मेरे द्वारा उठाया गये कदम

→ मैं सर्वप्रथम कर्मचारियों से वार्ता करूंगा तथा उनकी वास्तविक स्थिति जानूंगा, यदि वे सक्षम है तो उन्हे ओवर टाईम हेतु प्रेरित करूंगा, यदि वे नहीं है तो मैं साफ इंकार कर दूंगा

→ ओवर टाईम की स्थिति में दुगना वेतन (श्रम संहिता 2019) के अनुसार

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

- मैं वैकल्पिक वित्त जैसे - कर्जा, अनुदान या Line of credit की व्यवस्था करूंगा
- नए कर्मचारियों की भर्ती अनुबंध आधारित तथा उन्हें समस्त सुविधायें प्रदान करूंगा
- समयबद्ध रूप से आर्डर पूरा करूंगा।

मैं ऐसा इसलिए करूंगा क्योंकि यह न्याय के शासन तथा नैतिक मूल्यों के अनुरूप है तथा मेरे नेतृत्व कौशल व मानवीय संबंधों को दर्शाता है

(c) बर्नआउट संबंधी उपाय

- कर्मचारियों को मनुष्य समझना न कि मशीन
- सुस्पष्ट कार्य प्रणाली, नियम बनाना
- कर्मचारियों से भावनात्मक मानवीय संबंध बनाना
- कर्मचारियों को अवकाश व सहायता देना जैसे - मेटरनेल केयर लीव
- कर्मचारियों को पारितोषिक, बोनस देना
- लचीली कार्य संस्कृति - काम के लचीले घंटे जैसे - गूगल की कार्य संस्कृति
- Work from Home की सुविधा
- कर्मचारी सुविधा जैसे - क्रेचे, स्पोर्ट्स आदि की व्यवस्था करना।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. एक अग्रणी न्यूट्रास्युटिकल कंपनी में अनुसंधान एवं विकास विश्लेषक के रूप में, आप पोषक तत्वों से भरपूर बायोमास, जो त्वचा और हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार करता है, के विकास में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। शोध के परिणाम आशाजनक हैं और आपकी टीम आगामी उत्पाद को लॉन्च करने के बारे में उत्साहित है। नियमित रूप से होने वाली अंतर-टीम मीटिंग के दौरान, आपको अकस्मात ही अपनी कंपनी के किसी अन्य उत्पाद से संबंधित शोध परीक्षणों और दस्तावेजों के बारे में पता चलता है। यह उत्पाद वजन कम करने और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का दावा करता है, लेकिन गहन निरीक्षण करने पर, आपको पता चलता है कि परीक्षण गलत तरीके से किए गए थे और शोध के परिणाम सामान्यीकृत थे, हालांकि, इस उत्पाद के कोई दुष्प्रभाव नहीं थे। यह उत्पाद केवल प्लेसीबो प्रभाव पर काम करता है। संभवतः इस उत्पाद के लिए उत्तरदायी टीम अंतर-टीम मीटिंग के बाद इन दस्तावेजों को अपने साथ ले जाना भूल गई। कंपनी की नीति के अनुसार, अन्य टीमों के शोध परीक्षणों के बारे में जानना कठोरता से प्रतिबंधित है। इस उत्पाद से जुड़े झूठे दावे कंपनी के भीतर इसकी उच्च बिक्री में महत्वपूर्ण रूप से योगदान करते हैं। यदि झूठे दावों के बारे में जानकारी उजागर हो जाती है, तो इससे संभावित रूप से कंपनी को नुकसान हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप कंपनी बंद होने जैसे गंभीर परिणाम भी उत्पन्न हो सकते हैं और आपके द्वारा अपने उत्पाद, जिसके प्रतिरोधक स्वास्थ्य सेवा के लिए वास्तविक और महत्वपूर्ण परिणाम हैं, में निवेश की गई वर्षों की कड़ी मेहनत के लिए जोखिम उत्पन्न हो सकता है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) आपके लिए उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) आपके द्वारा की जाने वाली कार्रवाई क्या होगी? अपनी कार्रवाई का औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

As a research and development analyst in a leading nutraceutical company, you have been actively involved in the development of a nutrient-rich biomass that improves skin and bone health. The research outcomes are promising, and your team is enthusiastic about the upcoming product launch. During routine inter-team meetings, you accidentally come across research trials and documents related to another product of your company. This product claims to reduce weight and enhance immunity, but upon closer inspection, you discover that the trials were falsely conducted, and the research outcomes were generalized, however, there were no side-effects of the product. The product works on the placebo effect only. The team responsible for this product seems to have overlooked taking these documents along with them after the inter-team meeting. As per company's policy, going through the research trials of other teams is strictly prohibited. The false claims associated with this product contribute significantly to its high sales within the company. If the information regarding the false claims is revealed, it could potentially harm the company, leading to severe consequences such as closure, and jeopardize the years of hard work you have invested in your product, which has genuine and significant results for preventive healthcare.

(a) What are the ethical issues involved in the above case?

(b) Evaluate the options available to you.

(c) What will be your course of action? Justify. (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस अध्ययन एक कंपनी द्वारा सूचना व भ्रामक प्रचार द्वारा लाभ कमाने, तथा स्वयं के नैतिक बने रहने से संबंधित है।

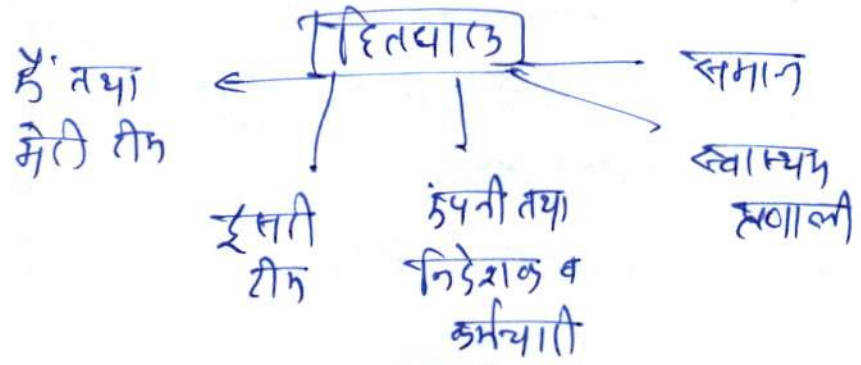

(A) नैतिक मुद्दे

(1) व्यक्तिगत हित बनाम सार्वजनिक हित

↳ यदि मैं सत्य रिपोर्ट करता हूँ तो मेरी नौकरी जाने का भय लेकिन नहीं करता हूँ तो जनसामान्य को सूचना व भ्रामक तथ्यों की जानकारी नहीं होगी

(2) अल्पकालिक लाभ बनाम दीर्घकालिक हानि

↳ यदि किसी अन्य शोध या कंपनी द्वारा भ्रामक तथ्यों की पुष्टि की गई तो कंपनी को अधिक में भारी नुकसान हो सकता है।

VisionIAS

③ पेशेवर नैतिकता बनाम सार्वलौकिक नैतिकता

└ पेशेवर नैतिकता के अनुसार कंपनी की आचरण संहिता का पालन लेकिन सार्वलौकिक नैतिकता के अनुसार सत्य उजागर करना

④ साध्य व साधन की पवित्रता

└ चूंकि कंपनी जनहित करना चाहती है जो पवित्र साध्य है लेकिन अन्य टीम द्वारा रिपोर्ट न करना गलत साधन

(B) उपलब्ध विकल्प

विकल्प-1 - यथास्थिति बनी रहने दे

पक्ष	विपक्ष
① कंपनी को कोई वित्तीय नुकसान नहीं	① कंपनी को दीर्घकाल में नुकसान हो सकता है
② कंपनी की आचार संहिता का पालन	② नैतिकता तथा नैतिक मूल्यों जैसे सत्यनिष्ठा के खिलाफ
③ दूसरी टीम की जिम्मेदारी है, प्रबंधन को बताना	③ सर्वजन को नुकसान होना

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

विकल्प - 2 - दूसरी टीम के अधिकारियों से बात करना तथा उन्हें प्रेरित करना कि वे सत्य आँकड़ों की रिपोर्ट दें।

पक्ष	विपक्ष
- दूसरी टीम के संज्ञान में मामला आना - दूसरी टीम की विश्वसनीयता बढ़ेगी - जनसामान्य को सत्य आँकड़ों का पता चलेगा।	① हो सकता है मुझे रिपोर्ट देखने के लिए बर्खास्त किया जाये ② आचरण संहिता का उल्लंघन ③ हो सकता है दूसरी टीम बात न माने।

विकल्प 3 - कंपनी प्रबंधन से बात करना

पक्ष	विपक्ष
① कंपनी की विश्वसनीयता बढ़ेगी ② अब कंपनी की नैतिक जिम्मेदारी होगी की वह अपना काम करे ③ जनसामान्य को लाभ	① मेरे प्रोजेक्ट पर सिर्फ गलत प्रभाव ही पड़ सकता है ② मेरे को आर्थिक नुकसान होने की संभावना ③ कंपनी मुझे बर्खास्त कर सकती है

विकल्प 4 — आँकड़ों को पूरी सत्यता के साथ सोशल मीडिया / मीडिया में लीक करना तथा स्वास्थ्य संस्थाओं को रिपोर्ट करना

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पक्ष	विपक्ष
(1) जन सामान्य को फायदा	(1) कंपनी को नुकसान
(2) मेरी सत्यनिष्ठा बनी रहेगी	(2) आचरण संहिता का उल्लंघन

(c) मेरे द्वारा की जाने वाली कार्यवाही

(1) मैं सर्वप्रथम दूसरी टीम के सदस्यों से बात करूंगा तथा उन्हें प्रेरित करूंगा कि वे सत्य आंकड़ों का प्रकाशन करें

(2) यदि दूसरी टीम ऐसा नहीं करती है तो मैं निदेशक मंडल से बात करूंगा तथा उन्हें समस्त घटना की रिपोर्ट दूंगा

(3) मैं कंपनी डायरेक्टर्स को अपने प्रोजेक्ट (हमारी टीम द्वारा बनाये जा रहे) की पूर्ण जानकारी दूंगा जो सत्य है

(4) यदि डायरेक्टर्स नहीं मानते तो मैं संबंधित विनियामक संस्था जैसे - FSSAI तथा अन्य आयोगों को सत्य रिपोर्ट भेजूंगा

मैं ऐसा इसलिए करूंगा क्योंकि यह नैतिक संहिता व आचरण संहिता के अनुसार है तथा इससे उपयोगितावादी अवधारणा सफल होती है साथ ही कंपनी के भ्रामक दावे भी खत्म हो जायेंगे।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. भारत के एक दूरस्थ और आकांक्षी जिले के मुख्य विकास अधिकारी अनमोल को एक जटिल नैतिक दुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जिले को सरकार की हालिया विकास पहलों से लाभ मिला है, लेकिन यह अभी भी स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में संघर्ष कर रहा है। एक राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन(NGO) के साथ साझेदारी करते हुए अनमोल ने इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सुधार देखे हैं, विशेषकर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जब जीवनरक्षक दवाएं पहुंचाने में इस NGO की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण थी। इसी तरह की एक आपदा के दौरान, NGO ने लोगों को महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाइयां उपलब्ध कराने और लोगों की जान बचाने तथा संक्रामक रोगों के प्रसार को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दौरान अनमोल एवं NGO के कार्य को व्यापक रूप से सराहा गया और केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। हालांकि, अनमोल को बाद में पता चलता कि NGO स्थानीय अधिकारियों को प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए रिश्वत देने में संलग्न रहा है। हालांकि यह एक अवैध प्रथा है, लेकिन जिले में व्यापक रूप से प्रचलित है। अनमोल अब एक दुविधा में फंसा हुआ है, उसे यह निर्णय लेना है कि NGO द्वारा प्रदान की जाने वाली आवश्यक सेवाओं को खतरे में डाले बिना इस मुद्दे का समाधान कैसे किया जाए, क्योंकि ये सरकारी प्रयासों की पूरक हैं और इस क्षेत्र में कोई वैकल्पिक सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) अनमोल के लिए उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए और उनके गुण-दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) अनमोल को कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? तर्क सहित औचित्य सिद्ध कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Anmol, the Chief Development Officer of a remote and aspirational district in India, faces a complex ethical dilemma. The district benefitted from the government's recent development initiatives, but it still struggles in the fields of health and education. Partnering with a national NGO, Anmol has seen significant improvements in these areas, especially during natural disasters when the NGO's role in delivering lifesaving medicines was critical. During one such disaster, the NGO played a significant role in providing critical life-saving medicines to people and prevented the loss of lives and spread of communicable diseases. Anmol's as well as the NGO's work during this time was recognised widely and even rewarded by the state and Central governments. However, Anmol later learned that the NGO has been involved in bribing local officials to operate effectively. This practice, although illegal, is seemingly widespread in the district. Anmol is now at a crossroads, having to decide how to address this issue without jeopardizing the essential services provided by the NGO, as they complement the government's efforts and there are no viable alternatives in the region.

(a) What are the ethical issues involved in this case?

(b) List the options available to Anmol and evaluate their merits and demerits.

(c) Which option should Anmol choose and why? Justify with arguments. (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

प्रस्तुत केस अध्ययन में एक तरफ सरकारी सेवाओं के पूरक के तौर पर NGO अच्छा काम कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ इनमें रिश्वत व भ्रष्टाचार शामिल है तो इसकी सत्यनिष्ठा को ताक-ताक करता है।

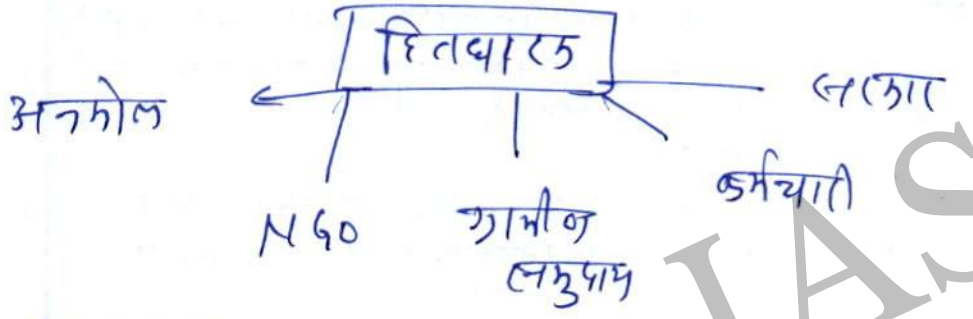

② नैतिक मुद्दे

① भ्रष्टाचार - रिश्वत के रूप में NGO में व्याप्त भ्रष्टाचार

② लोककल्याण का बाधित होना
↳ यदि NGO के खिलाफ कठोर एक्शन लिया तो

③ साध्य व साधन की पवित्रता
↳ साध्य - लोककल्याण उच्चतम साध्य लेकिन रिश्वत जैसे साधन निम्न

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) पेशेवर हित बनाम सामाजिक हित
└ यदि रिश्वत की रिपोर्टिंग तो पेशेवर नैतिकता बनी रहेगी लेकिन सामाजिक हित ~~बने~~ को नुकसान

(5) राज्य की असमर्थता
└ राज्य अपने नागरिकों ~~नागरिकों~~ को स्वास्थ्य, शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकता पूर्ति में असफल

(B) ~~विकल्प~~

(B) विकल्प 1 – यथास्थिति बनी रहने दें

पक्ष	विपक्ष
(1) लोक कल्याण बाधित नहीं	(1) अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा जैसे रिश्वत
(2) सरकार के पूरक के रूप में NGO की भूमिका यथावत	(2) तात्कालिक लाभ लेकिन दीर्घ कालिक हानि यह भ्रष्टाचार की संस्कृति को सामान्य करेगा
(3) स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि आवश्यकताएँ पूर्ति	(3) व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा का उल्लंघन

विकल्प-2 → रिश्वत लेने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लेना

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पक्ष	विपक्ष
(क) भ्रष्टाचार पर लगाम	(1) अनमोल व NGO के खिलाफ कार्यवाही हो सकती है
(ख) नैतिकता के अनुरूप	(2) लोककल्याण, बाधित होगा
(3) अच्छी कार्य- संस्कृति को बढ़ावा देता है	

विकल्प 3 — वैकल्पिक व्यवस्थाएं करना तथा रिश्वत के खिलाफ सख्त रुख्ख लेना

पक्ष	विपक्ष
(1) लोककल्याण सुचारु रहेगा	(1) अनमोल को वैकल्पिक व्यवस्था करने में समय लग सकता है
(2) भ्रष्टाचार पर लगाम	
(3) वैकल्पिक व्यवस्था से कार्य सिद्धि	

(c) अनमोल को तीसरा विकल्प चुनना चाहिए क्योंकि

(1) यह आचार संहिता व नैतिक संहिता के अनुसार है

(2) वैकल्पिक व्यवस्था होने से लोक कल्याण बाधित नहीं होगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(7) रिश्वत लेने वाले कर्मचारियों पर लगाम लगेगी

(8) यह जिले में सरकारी सहायतों की पूरक व्यवस्था को खतरे में डाले बिना भ्रष्टाचार के मुद्दे का समाधान करती है

(9) दीर्घकालिक उपायों हेतु अनमोल को उच्च अधिकारियों से बात करनी चाहिए तथा सुव्यवस्थित NGO प्रणाली विकसित करनी चाहिए।

अनमोल को ऐसा इसलिए करना चाहिए क्योंकि यह न्याय के शासन के अनुरूप है तथा भ्रष्टाचार जैसी स्थिति पर रोक लगाता है साथ ही अनमोल की व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा भी बनी रहेगी।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. एक साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रवीश ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में प्रवेश पाने के लिए कड़ी मेहनत की। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों के साथ स्नातक होने के बाद उसने एक प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनी में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी प्राप्त की। महत्वाकांक्षा से प्रेरित होकर उसने कुछ वर्षों का अनुभव प्राप्त करने के बाद स्टार्ट-अप शुरू करने के लिए नौकरी छोड़ दी।

देश में स्टार्ट-अप बूम के कारण, रवीश को निवेशकों से अपेक्षाकृत आसानी से पर्याप्त पूंजी प्राप्त करने में सफलता मिली। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण ने उनके स्टार्ट-अप की तीव्र वृद्धि और सफलता को बढ़ावा दिया।

हालांकि, जब कंपनी समृद्ध होने लगी, तब रवीश की विलासिता पूर्ण जीवनशैली ने लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना शुरू कर दिया। संस्थापक और सी.ई.ओ. के रूप में उसे संतोषजनक वेतन मिलता था, जो कि उसकी कंपनी को शून्य से खड़ा करने की मेहनत के लिए उचित था।

कुछ वर्षों बाद, आर्थिक मंदी ने रवीश की स्टार्ट-अप कंपनी को वित्तीय संकट में डाल दिया। अब निवेशकों ने लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित करते हुए अपना समर्थन वापस ले लिया, जिससे रवीश पर व्यवसाय को बनाए रखने के लिए लागत में कटौती करने का अत्यधिक दबाव आ गया। परिणामस्वरूप, उसने कर्मचारियों की संख्या कम करने का फैसला किया और एक व्यक्तिगत वीडियो संदेश के माध्यम से अपने कर्मचारियों को इस निर्णय के बारे में सूचना दी।

वीडियो के रिलीज होने के कुछ ही घंटों के भीतर यह संदेश रवीश की दो महीने पहले हुई भव्य शादी की तस्वीरों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों ने रवीश की इस बात के लिए आलोचना की कि उसने एक तरफ तो बहुत बड़ी संख्या में कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया, वहीं दूसरी तरफ अपनी विलासिता पूर्ण जीवनशैली का आनंद ले रहा था।

(a) दिए गए प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

(b) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट संगठनों में शीर्ष-स्तरीय नेताओं और उनके अधीनस्थों के बीच पारिश्रमिक संबंधी असमानताओं से जुड़े नैतिक पहलुओं पर चर्चा कीजिए। (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Ravish, hailing from a modest background, worked diligently to gain admission to a prestigious university. After graduating with commendable academic credentials, he secured a well-paying job at a leading multinational company. Driven by ambition, he left the job after gaining a few years of experience to launch his own startup.

Thanks to the startup boom in the country, Ravish was able to secure significant capital from investors with relative ease. His hard work and dedication fueled the rapid growth and success of his startup.

However, as the company flourished, Ravish's extravagant lifestyle began to attract public attention. As the founder and CEO, he drew a substantial salary, believing it to be justified given his efforts in building the company from scratch.

A few years later, an economic downturn put Ravish's startup under financial strain. Investors, now focused on profitability, withdrew their support, leaving Ravish under immense pressure to cut costs in order to sustain the business. Consequently, he decided to downsize the workforce and communicated this decision through a personalized video message to his employees.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Within hours of the video's release, it went viral on social media, accompanied by images from Ravish's lavish wedding that had taken place just two months prior. The public criticized Ravish for his opulent lifestyle while simultaneously laying off a significant number of employees.

(a) What are the ethical issues involved in the given case?

(b) In light of the above case, discuss the ethical considerations regarding disparities in remuneration between top-level leaders and their subordinates in corporate organizations. (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस अध्ययन कंपनी के डायरेक्टर द्वारा निजी अत्य विलासिता वाली जिंदगी जीने तथा विपरीत परिस्थितियों में कंपनी में कर्मचारी छंटनी से संबंधित है।

हितधारक

रवीश | कर्मचारी | निवेशक | समाज | कंपनी के अन्य हितधारक

(a) मुद्दा में शामिल नैतिक मुद्दे

(1) आजीविका का खतरा → कर्मचारी छंटनी से इनकी आजीविका पर संकट

(2) सोशल मीडिया का अनुचित उपयोग

↳ सोशल मीडिया पर रवीश की निजी जिंदगी की आलोचना

VisionIAS

③ वित्तीय संकट बनाम अपरिहार्य स्थिति
∟ इकोनॉमिक स्लोडाउन की वजह से वित्तीय संकट जो रवीश के हाथों में नहीं।

④ समानुभूति तथा करुणा बनाम निजी विलासिता
∟ रवीश अपनी सैलरी कम कर सकता था तथा अन्य लोगों को निकालने के बजाय सैलरी में कमी कर सकता था।

⑤ व्यक्तिगत हित बनाम सामाजिक हित
∟ रवीश द्वारा कंपनी शून्य से खड़ा करने के कारण उसकी सैलरी उसका व्यक्तिगत हित लेकिन आर्थिक स्लोडाउन में सामाजिक हित की अपेक्षा कर्मचारी हटाने द्वारा

Ⓑ कॉर्पोरेट संगठनों में शीर्ष नेताओं तथा कर्मचारियों में पारिश्रमिक संबंधी असमानताओं से जुड़े नैतिक पहलू

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

① अत्यधिक पारिश्रमिक असमानता

जैसे - गूगल के CEO की सैलरी किसी निम्न स्तरीय कर्मचारी की तुलना में 28-गुणा

② जेण्डर पे गेप

└ महिला कर्मचारियों की सैलरी पुरुषों से कम
(जेंडर पे गेप रिपोर्ट - 30%)

③ समयबद्द पारिश्रमिक हस्तांतरण

└ शीर्ष नेताओं द्वारा स्वयं समयबद्द सैलरी लेना लेकिन कर्मचारियों को न देना
जैसे - अधिकतम कार्पोरेट संगठन उदा. सहारा

④ अत्यधिक कटौतियां

└ जैसे - कर्मचारी पेंशन फंड, TDS इत्यादि।

⑤ पेनल्टी के तौर पर सैलरी काटना

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

⑤ कार्पोरेट इथिक्स के खिलाफ

└ कर्मचारियों को जीवन निर्वाह शैली न मिल पाना।

इस प्रकार कार्पोरेट संगठनों में अत्यधिक पारिवारिक दोष है, जिन्हें सुस्पष्ट नीति-निर्माण तथा कानूनों द्वारा संबोधित करके पारदर्शिता बढ़ाई जा सकती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. विक्रम, जो एक वरिष्ठ डेटा वैज्ञानिक हैं, एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) सिस्टम विकसित करने वाली टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। उसे उपयोगकर्ता के व्यवहार के आधार पर व्यक्तिगत सिफारिशें प्रदान करके ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है।

इस परियोजना की सफलता न केवल कंपनी की संवृद्धि के लिए बल्कि विक्रम की टीम के लिए भी महत्वपूर्ण है, जो पिछले कुछ महीनों में खराब प्रदर्शन कर रही है। जोखिम बहुत बड़ा है और यदि टीम इस परियोजना को पूरा करने में विफल रहती है तो इसे निलंबित किया जा सकता है।

विक्रम की टीम AI एल्गोरिदम की सटीकता को सुधारने के लिए उपयोगकर्ताओं की खरीदारी का इतिहास, अवस्थिति के आंकड़े, स्वास्थ्य संबंधी रिकॉर्ड और सोशल मीडिया गतिविधियों सहित संवेदनशील व्यक्तिगत जानकारी को शामिल करने पर विचार कर रही है। यद्यपि इससे सिस्टम की प्रभावशीलता में काफी वृद्धि हो सकती है, लेकिन यह निजता और संवेदनशील डेटा के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंताएं भी उत्पन्न हो जाती है।

इसके अलावा, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पहले भी डेटा चोरी की घटना हो चुकी है और इससे हजारों उपयोगकर्ताओं की निजी जानकारी अनधिकृत संस्थाओं के लिए उजागर हो गई थी। इस घटना का व्यापक स्तर पर प्रचार हुआ, जिसके कारण कंपनी के खिलाफ़ विनियामक जांच और उचित कानूनी कार्रवाई की गई।

विक्रम पर कंपनी के विपणन विभाग द्वारा यह दबाव डाला गया है कि वह उपयोगकर्ता की निजता के बजाय राजस्व सृजन को प्राथमिकता दे। विपणन टीम ने सुझाव दिया कि ऐसी कार्यनीतियां लागू की जाएं जो उपयोगकर्ताओं को अधिक खरीदारी करने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही इसके लिए उनकी प्राथमिकताओं में हेरफेर करना पड़े या उनके बीच एक तरह की तात्कालिकता की भावना पैदा करनी पड़े।

(a) विक्रम द्वारा AI सिस्टम विकसित करते समय सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) इस मामले को सुलझाने के लिए विक्रम के पास कौन-कौन से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) नैतिकता AI सिस्टम का अभिन्न अंग कैसे बन सकती है? (उत्तर 250 शब्दों में दीजिए)

Vikram, a senior data scientist, is leading a team to develop an Artificial Intelligence (AI) system for a e-commerce platform. He has to enhance customer experience by providing personalized recommendations based on user behaviour.

The success of this project is critical not only for the company's growth but also for Vikram's team, which has been underperforming in the recent months. The stakes are high, and the team is at risk of suspension if it fails to deliver on this project.

To improve the accuracy of the AI algorithms, Vikram's team considers incorporating sensitive personal information, including users' purchasing history, location data, health records and social media activities. While this could significantly enhance the system's effectiveness, it raises concerns about privacy and the potential misuse of sensitive data.

Also, a data breach has occurred earlier on the e-commerce platform, and personal information of thousands of users was exposed to unauthorized entities. The incident became widely publicized, leading to regulatory scrutiny and potential legal action against the company.

Vikram faces pressure from the company's marketing department to prioritize revenue generation over user privacy. The marketing team suggests implementing tactics that subtly encourage users to make more purchases, even if it means manipulating their preferences or creating a sense of urgency.

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) Identify the ethical issues faced by Vikram in developing the AI system.

(b) What are the options available to Vikram in addressing this case?

(c) How can ethics be an integral component of AI systems? (Answer in 250 words) 20

प्रस्तुत केस मुख्यतः AI के नैतिक उपयोग से संबंधित है, जिससे उपभोक्ता की निजता का हनन न हो तथा उसे सुरक्षित जानकारी मिल सके

(A) नैतिक मुद्दों की पहचान

(1) निजता का हनन → उपभोक्ताओं की निजता से समझौता होगा

(2) संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन
↳ निजता का अधिकार A-21 के तहत (पुट्टास्वामी वाद - 2017)

(3) AI का नैतिक उपयोग
↳ सत्य आँकड़ों का उपयोग करके जन सेवा या भ्रामक आँकड़ों का उपयोग करके व्यक्तिगत लाभ कमाना

VisionIAS

(4) डेटा चोरी होने की संभावना – चूंकि साईबर स्पेस सुरक्षित नहीं

(5) आर्थिक लाभ बनाम निजता – कंपनी द्वारा निर्देश राजस्व सृजन को अधिक महत्व देना।

(B) विक्रम के पास उपलब्ध विकल्प

विकल्प 1 – प्रबंधन की बात मान लें

पक्ष	विपक्ष
(1) कंपनी को आर्थिक लाभ	(1) निजता का हनन
(2) विक्रम को व्यक्तिगत लाभ	(2) राजस्व सृजन हेतु नैतिक मूल्यों से समझौता
(3) विक्रम की विश्वसनीयता बढ़ेगी	(3) कानून के खिलाफ

विकल्प-2 – प्रबंधन की बात न माने तथा साफ मना कर दे

पक्ष	विपक्ष
(1) AI का गलत उपयोग नहीं होगा	(1) यदि विक्रम नहीं करेगा तो प्रोजेक्ट किसी और

VisionIAS

	को मिल सकता है
② व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा बनी रहेगी	⑥ कंपनी को आर्थिक नुकसान
③ निजता का सम्मान	⑦ विक्रम को कंपनी से निकाला जा सकता है।

[विकल्प-3] – उच्च प्रबंधन से बात करें, उनसे स्वीकरण मांगे तथा उन्हें मामले की गंभीरता समझे यदि प्रबंधन नहीं मानता तो बाह्य संस्थाओं जैसे TRAI, CCI को रिपोर्ट करें तथा कंपनी छोड़ दे।

पक्ष	विपक्ष
① हो सकता है प्रबंधन मान जाये	① हो सकता है कंपनी प्रबंधन न माने
② निजता का सम्मान	② विक्रम को निजी नुकसान
③ डेटा चोरी का समाधान	③ कंपनी को आर्थिक नुकसान
④ कानून के अनुसार	④ बाह्य रिपोर्ट करने से कंपनी के अन्य कर्मचारियों पर भी संकट की संभावना
⑤ व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा बनी रहेगी	
⑥ कंपनी की प्रतिष्ठा बढ़ेगी	

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) नैतिकता AI का अभिन्न अंग कैसे बन सकती

(1) नैतिकता संहिता द्वारा → AI के उपयोग हेतु नैतिक संहिता निर्माण

(2) उल्लंघन पर दंड → यदि कोई कंपनी या व्यक्ति इस नैतिक संहिता का उल्लंघन करे तो आर्थिक दण्ड, जेल।

(3) कर्मचारियों तथा हितधारकों की भूमिका निर्धारित करना
जैसे - सूचना तकनीक 2021 अधिनियम द्वारा

(4) AI नैतिक उपयोग हेतु कर्मचारियों को प्रेरित करना

(5) अनैतिक उपयोग वाले मामलों की समय रिपोर्टिंग अनिवार्य होना

इस प्रकार AI वर्तमान समय की एक क्रांतिकारी तकनीक है जिसके नैतिकता इसके सदुपयोग को प्रेरित करेगी।

VisionIAS